## आमन्त्रण-पत्र

# अखिल भारतीय सम्मेलन

## प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन (NHCPM)

### 5 अक्टूबर से 8 अक्टूबर, 2017, लहरागागा, जिला-संगरूर, पंजाब

प्रिय महोदय/ महोदया,

आज हमारे ग्रह पृथ्वी पर ग्लोबल वार्मिंग या जलवायु परिवर्तन तथा अमानवीयकरण सम्पूर्ण मानवीय इतिहास में अति गंभीर सामाजिक संकट बन चुका है। यानि, हमारी पृथ्वी के समस्त जैव-जीवन और मानव समुदाय को आज जीवन या मौत की अत्यधिक गंभीर चुनौती से मुकाबला करना पड़ रहा है। मोटे तौर पर यह दो आयामी संकट है। यह एक तरफ सामान्यतया पर्यावरणीय गिरावट का संकट एवं खास करके इसके प्रत्येक घटक (हवा, पानी, भूमि, जंगल, जैव-विविधता, समुद्री अम्लियता का बढ़ना और समुद्री जीवों की कमी होना, इत्यादि) का संकट है। जबकि दूसरी तरफ वर्तमान समाज (जो एक 'स्वतंत्र और खुला लोकतंत्र' कहलाता है और अपने दो शताब्दियों से अधिक पुराने सिद्धान्त और व्यवहार के साथ चल रहा है) आम तौर पर अमानवीयकरण के संकट से ग्रसित है। इस समाज के प्रत्येक पहलू (यानि, समाजशास्त्र, दृष्टिकोण, जन विश्वास और प्रेरणा, स्थानीय से राष्ट्रीय या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक कारगुजारियां, गांव से लेकर विश्व स्तर पर चल रही आर्थिक प्रक्रिया और शिक्षा, विज्ञान-तकनीकी, भाषा, कला, संगीत, नृत्य, अभिनय, स्थापत्य कला, मूर्ति कला, रंगसाजी, दस्तकारी इत्यादि तथा बातचीत का तरीका, पहनावा आदि सांस्कृतिक पहलुओं के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं सहित) में अमानवीयकरण का संकट पैदा हो गया है।

दुनिया के जाने माने वैज्ञानिक प्रो. स्टीफन हाकिंग कहते हैं कि ''हम उस अन्तिम छोर पर पहुंच रहे हैं जहां ग्लोबल वार्मिंग अनपलट की स्थिति में चली जायेगी। ट्रंप की कार्यवाही पृथ्वी को उस ओर धकेल रही है जहां पृथ्वी, शुक्र ग्रह की तरह बन जायेगी, जहां 250° सेंटी. ताप है और सल्फ्यूरिक अम्ल की बरसात होती है। जलवायु परिवर्तन एक भयानक खतरा बन चुका है, अगर हम अभी तत्काल कार्यवाही करें तो इस खतरे को रोक सकते हैं, अन्यथा.....।''

यू एन ई पी (UNEP) की रिपोर्टें सिद्ध करती हैं कि शासक कॉरपोरेट राजनीतिक पार्टियों तथा औद्योगिक-व्यापारिक कॉरपोरेट कम्पनियों की धन केन्द्रित, बाजारोन्मुख और निजी हित की दिशा के आत्मघाती दृष्टिकोण की वजह से ग्रीन हाउस गैसों को सीमित या कम करने में सफलता नहीं मिली है। शासक और नेतृत्वकारी कॉरपोरेट विचारकों, विशेषज्ञों, राजनीतिज्ञों, अर्थशास्त्रियों और सांस्कृतिक बुद्धिजीवियों ने जीवन और मौत के सवालों पर जनता को ना तो सचेत किया है और ना ही उन्हें संगठित किया है, इस प्रकार इनकी भूमिका प्रकृति और मानव विरोधी है। आज अमेरिकी सरकार विश्व में जलवायु-आतंकवाद की मुखिया बन चुकी है।

जलवायु परिवर्तन और विश्व कॉरपोरेट समाज का अमानवीयकरण कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों के माध्यम से मानवीय समाज के विकास को रोक रहा है जो कुछ ही समय में विकास को पूर्णतया उलटा घुमा देगा यानि पूर्णतया आत्मघाती बना देगा। वे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं—(क) कृषि और खाद्य सुरक्षा क्षेत्र—यानि कृषि उत्पादन में किया जा रहा रासायनिक प्रदूषण और उत्पादन की कमी; (ख) जल-तनाव और जल-असुरक्षा; (ग) बढ़ता समुद्री स्तर और चक्रवातों के माध्यम से बढ़ती बाढ़ की बर्बादी; (घ) दीर्घकालीन सूखे (अकालों) और बाढ़ की तीव्रता का बढ़ना; (ड़) जैव-विविधता और जलवायु व्यवस्था में तीव्र गति से हो रहा नुकसान; (च) मानवीय स्वास्थ्य के क्षेत्र में मलेरिया, डेंगू, एच आई वी (एड्स) बर्ड फ्लू, स्वाइन फ्लू, ईबोला, जीका तथा अन्य संक्रमणकारी बीमारियों के बढ़ने से बड़ी संख्या में मानवीय मृत्यु दर का बढ़ना।

विशेष ध्यान देने वाला महत्वपूर्ण तथ्य है कि कृषि के क्षेत्र में भारत के पास बड़े और विकसित देशों की तुलना में कृषि योग्य भूमि का प्रतिशत बहुत ऊंचा है। हालांकि भारत के पास विश्व के भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 2.4 प्रतिशत भू-भाग है परन्तु यह विश्व की जनसंख्या का लगभग 17 प्रतिशत तथा पालतू पशुओं का 20 प्रतिशत से अधिक का भरण-पोषण करता है। इस देश की भौगोलिक स्थिति ऐसी है जहां पूरे साल सूर्य की रोशनी भरपूर मात्रा में मिलती है। यहां दो फसलें अथवा उससे भी ज्यादा फसली पद्धति अपनाई जा सकती है जिससे दुनिया के लोगों को भी भोजन में सहायता की जा सकती है। परन्तु रासायनिक खेती तथा जलवायु विरोधी

औद्योगिकीकरण (जो अब औद्योगिक गलियारों की योजना के रूप में हमारे सामने आ रहा है) भारत के सभी कृषि घटकों को बरबाद कर सकता है। मोरक्को यू एन सम्मेलन में जलवायु सुव्यवस्थित कृषि (क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर) के नाम पर एक छदम औद्योगिक कृषि को जलवायु परिवर्तन का प्रत्युत्तर के रूप में पेश करना एक झूठ और धोखा है, क्योंकि वास्तव में यह औद्योगिक सह रासायनिक कृषि, जी एम बीजों और जलवायु अंगीकरण (adoption) का हाईब्रीड नमूना मात्र है।

## प्रकृति-मानव केन्द्रित विकल्प के सिद्धान्त

1. प्रकृति-मानव केन्द्रित समाजशास्त्रीय धारणा का मानना है कि मनुष्य और प्रकृति हमारी पृथ्वी पर दो अति महत्वपूर्ण पहलू हैं। अत: मानव समाज के लिए ये दोनों ही वास्तविक पूंजी हैं और इनके बिना अन्य किसी भी चीज की कोई कीमत नहीं है। आज की प्रचलित मुद्रा—डालर, यूरो, पाउण्ड, रुपया, आदि को कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था पूंजी का नाम देती है जबकि यह तो मात्र अदला-बदली के लिए केवल कानूनी करार का द्योतक है।
2. मानव समाज में परिवर्तन और विकास दो तरफा अन्तरक्रिया—एक तरफ प्रकृति और मानव समाज के बीच और दूसरी तरफ खुद मानव समाज के भीतर अन्तरक्रिया का परिणाम है।
3. हर समय और हर जगह पर्यावरणीय सस्टेनेबिलिटी (टिकाऊपन) की पालना करना।
4. प्रत्येक जरूरतमंद और वंचित तबके की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना।
5. लोगों के बीच के अनुपात को 1:5 की तर्कसंगत सीमा में लाना।
6. कॉरपोरेट पूंजीवादी समर्थक भ्रष्ट राजनैतिक पार्टियों तथा व्यपारिक घरानों की जगह लोगों का सशक्तिकरण करना।
7. उत्पादन को जैव-सामाजिक आवश्यकताओं के अनुसार बढ़ाना। उत्पादन को बाजारवाद और मुनाफे से मुक्त करना।
8. अधिक अधिकारों के विशेषाधिकारों को समाप्त करने के लिए चौतरफा पारदर्शिता के नियम लागू करना।
9. विश्व शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विश्व के सभी मसलों को बातचीत और वाद-विवाद से हल करना, खासकर भारत- पाकिस्तान के बीच विवादित जम्मू-कश्मीर के मसले को त्रिपक्षीय (भारत, पाकिस्तान और जम्मू-कश्मीर के लोगों के बीच) बातचीत से हल करना।
10. दुनिया के लोगों के बीच भाईचारे के घनिष्ठ संबंध कायम करना तथा सभी घातक हथियारों को समाप्त करना।
11. मानव समाज के लिए कृषि को जीवन-रेखा मानते हुए प्राकृतिक खेती को आगे बढ़ाने के लिए राज्य, केन्द्र और विश्व स्तर पर 50 प्रतिशत बजट का प्रावधान सुनिश्चित करवाना।
12. गांव से लेकर विश्व स्तर तक संबंधित लोगों को निर्णय लेने के अधिकारों वाली पर्यावरण-जन समर्थक डेमोक्रेसी कायम करते हुए राजनीति के एकाधिकार को तोड़ने के लिए विकास एसेम्बली, सांस्कृतिक एसेम्बली, कृषिकारी एसेम्बली और राजनैतिक एसेम्बली के बहुआयामी संगठनों का निर्माण करना।
13. संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में वीटो पॉवर समाप्त करके एवं सभी अन्य अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों तथा राष्ट्रीय राज्यों के सत्ता ढांचे और कार्य-प्रणाली में कदम-ब-कदम लोकतांत्रिक बदलाव करना।

## सम्मेलन में प्रस्तावित दस्तावेज

1. वर्तमान विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था—सभी बुराइयों की जड़, विकास के बड़बोले नारों तले जैव-जलवायु आतंकवाद और राष्ट्रवाद हम सबको बर्बाद कर देगा, प्रकृति-मानव केन्द्रित एजेण्डे के आधार पर विश्व कॉरपोरेट पूंजीवादी व्यवस्था को अब पुनरगठित करने की आवश्यकता।
2. भारत चौराहे पर—जलवायु परिवर्तन, अमानवीयकरण और बहुसंख्यकवाद भारत की मूलभूत समस्याएं
3. कृषि का कॉरपोरेटीकरण भयानक संकट की ओर इसका कारण सरकार की किसान विरोधी नीतियों में निहित है,
   संकट का एक मात्र हल कृषि को पर्यावरण-लोक नेतृत्व वाली सहकारिता में संगठित करके किसानों के सशक्तिकरण करने में निहित है।

4. जम्मू-कश्मीर समस्या के संबंध में एक वास्तविक, व्यावहारिक और तर्कसंगत नजरिया।
5. प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के प्रोग्राम एवं संविधान के बारे में।
6. अखिल भारतीय कमेटी की कार्य रिपोर्ट

हम आपको इस चार दिवसीय प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन के सम्मेलन में सादर आमंत्रित करते हैं।

पुन: यहां हमारा यह कहना प्रासंगिक रहेगा कि हम सभी सकारात्मक ताकतों—सही सोच वाले और मानवीय गुणों वाले, तर्कसंगत और न्यायप्रिय व्यक्तियों, जन समर्थक लोगों, पर्यावरणवादियों, मानवाधिकारवादियों, प्रगतिशील लोगों की भागीदारी के लिए उन्हें बड़े स्तर पर आमंत्रित कर रहे हैं।

हम आपसे आग्रह करते हैं कि इस निमंत्रण को आप अपने दोस्तों, संगठन के साथियों और मित्र संगठनों को आगे प्रेषित करें और इस आयोजन में पहुंचने का कष्ट करें।

आपकी भागीदारी हम सबको आगे प्रकृति-मानव केन्द्रित कार्यक्रम के एजेण्डे पर सार्क स्तरीय सम्मेलन, विकासशील देशों के सम्मेलन तथा विश्व स्तरीय सम्मेलनों को आयोजित करने के लिए प्रेरित करेगी।

— सम्मेलन स्थल —

**जी पी एफ धर्मशाला, लहरागागा, जिला-संगरूर, पंजाब, भारत**

— आयोजक —

## अखिल भारतीय कमेटी

## प्रकृति-मानव केन्द्रित जन आन्दोलन

## Nature-Human Centric Peoples Movement NHCPM, India


| सज्जन कुमार | मोतिया मिश्रा | दीदारसिंह | सुखदेवसिंह |
|---|---|---|---|
| अध्यक्ष 9001826467 | उपाध्यक्ष 9796669741 | सचिव 9419740251 | कोषाध्यक्ष 9915342232 |
| sajjankumarnhcpm@gmail.com | www.nhcpm.com | didarsingh6418@gmail.com | sukhdev.nhcpm@gmail.com |


**अखिल भारतीय कमेटी के सदस्य :**

**रूपचन्द मखनोत्रा, घनश्याम डेमोक्रेट, मन्नाराम डांगी, गिरधारी राम, प्रेमसिंह नामधारी, सुमन्त ग्रामले, शत्रुघन डांगी, गुरुदर्शन खटड़ा, गुरलाभसिंह, कुलवंतसिंह, सत्यप्रकाश भारत, भारतकुमार, बलवान नेहरा, शकुन्तला सरूपरिया, नागेश्वर राव, प्रवीण कुमार प्रणव, ब्रजबाला शर्मा, डॉ. सुसाई संदानम, एन पी सामी, वी सुसाईराज, जी.एन. रेड्डी**

**प्रबंध कमेटी के सदस्य :**

**सुखदेवसिंह 9915342232, गुरमेलसिंह 9878765933, महिन्द्रसिंह 9417741517, गुरलालसिंह 9815329231 तरसेमचन्द 9417557395, जगदीश पापड़ा 9815594795, सुखजिन्दर लाली 9878950609 गुरलाभसिंह 9417507473, गुरदर्शनसिंह खटड़ा 9501800647**

**नोट :**
1. ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था आयोजकों द्वारा की जायेगी। आने जाने का किराया भागीदार स्वयं वहन करेंगे।
2. जाखल जंक्शन दिल्ली से 200 किलोमीटर तथा भटिण्डा जंक्शन से 98 किलोमीटर दूरी पर दिल्ली भटिण्डा फिरोजपुर रेलवे लाइन पर स्थित है।
3. लहरागागा जाखल जंक्शन से 16 किलोमीटर की दूरी पर दिल्ली-धूरी-लुधियाना (वाया रोहतक-जिन्द-जाखल) रेलवे लाइन पर स्थित है। लेकिन लहरागागा को कुछ रेलगाड़ियां ही सीधी आती हैं।)
4. आयोजन कमेटी भागीदारों को जाखल एवं लहरागागा रेलवे स्टेशनों पर रिसीव करने का प्रबंध करेगी।
5. सभी डेलीगेटों, मेहमानों एवं भागीदारों से विनम्र निवेदन है कि वे अपने आने की सूचना 15 दिन पूर्व देवें ताकि हम उन्हें रिसीव कर सके।
6. रेलवे समय सारणी आमंत्रण पत्र के साथ लगी है।
7. सम्मेलन के टाईम टेबल, सत्रों के मध्य अवकाश एवं सत्र संचालन का समय आदि की विस्तृत सूचना सम्मेलन में प्रस्तुत की जायेगी।

# TRAIN SCHEDULE

| Train No. | From | To | Days | Arrival |
|---|---|---|---|---|
| 16687 | Mangaluru Cant | Katra | Mon | Jakhal Jn. 04:00 |
| 11449 | Jabalpur | Katra | Tue | Jakhal Jn. 04:00 |
| 19803 | Kota Jn. | Katra | Sat | Jakhal Jn. 04:00 |
| 16031 | Chennai Central | Katra | Wed, Thu, Sun | Lehragaga 04:22 |
| 16317 | Kanyakumari | Katra | Fri | Lehragaga 04:22 |
| 14625 | Delhi S Rohilla | Firozpur Cant | Daily | Jakhal Jn. 10:33 |
| 12481 | Delhi | Shri Ganganagar | Daily | Jakhal Jn. 16:43 |
| 19023 | Mumbai Central | Firozpur Cant | Daily | Jakhal Jn. 17:45 |
| 12421 | Nanded | Amritsar Jn. | Wed | Jakhal Jn. 17:03 |
| 12485 | Nanded | Shri Ganganagar | Mon, Thu, Sun | Jakhal Jn. 17:03 |
| 15909 | Dibrugarh | Lalgarh Jn. | Daily | Jakhal Jn. 19:35 |
| 12047 | New Delhi | Firozpur Cant | Mon, Fri | Jakhal Jn. 19:35 |
| 13007 | Howrah Jn | Shri Ganganagar | Daily | Jakhal Jn. 00:15 |
| 12137 | CST Mumbai | Firozpur Cant | Daily | Jakhal Jn. 01:17 |
| 14035 | Delhi | Pathankot | Mon, Wed, Fri | Lehragaga 02:28 |
| 12455 | Delhi S Rohilla | Bikaner Jn. | Daily | Jakhal Jn. 01:43 |
| 19613 | Ajmer Jn. | Amritsar Jn. | Mon, Wed | Jakhal Jn. 04:27 |
| 19613 | Hisar | Amritsar Jn. | Tue, Thu | Lehragaga 02:46 |
| 11450 | Katra | Jabalpur | Wed | Jakhal Jn. 08:55 |
| 16032 | Katra | Chennai Central | Tue, Fri, Sat | Lehragaga 08:00 |
| 16688 | Katra | Mangaluru Cant | Thu | Jakhal Jn. 08:55 |
| 16318 | Katra | Kanyakumari | Mon | Lehragaga 08:00 |
| 19804 | Katra | Kota Jn. | Sun | Jakhal Jn. 08:55 |
| 14036 | Pathankot | Delhi | Tue, Thu, Sat | Lehragaga 05:05 |

**Train Map of Lehragaga Punjab**